an>

Title: Regarding clarification of Role of the Members of Parliament in the Centrally Funded Schemes.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : सभापति महोदय, आज सांसदों की भूमिका केवल कानून बनाने या सुझाव देने तक सीमित नहीं है। आम जनता सांसद से विकास की हर संभावनाओं की उम्मीद करती है। सभी माननीय सांसद मेरी बात से सहमत होंगे। केन्द्र द्वारा वित्त पोषित योजनाएं में हम लोगों की कोई भूमिका नहीं है। विशेषकर उत्तर प्रदेश की स्थिति बहुत कठिन है। गर्मी की शुरूआत हो गई, ग्रामीण विकास मंत्रालय पेयजल के लिए पैसा देती है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार कुछ नहीं कर रही है? वहां लोहिया ग्राम का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। त्वरित पेयजल योजना का पैसा लोहिया ग्राम योजना में कन्वर्ट किया जा रहा है। एक पैसा भी हैंड पम्प का पैसा सांसदों को नहीं दिया जा रहा है। पहले जिला पंचायत की योजना बीआरजीएफ के अंदर चलती थी। हमारे संसदीय क्षेत्र चंदौली में यह योजना चल रही थी, इस योजना में पैसे का बहुत दुरुपयोग हुआ है। इस योजना के अंदर गांवों में 70 परसेंट पैसा देने का स्पष्ट शासनादेश है। लेकिन गांव को पैसा न देकर जिला पंचायत और प्रदेश के अधिकारी उसे लूट रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार कोई ऐसा निर्देश जारी करे, जिससे केन्द्र वित्त पोषित योजनाओं में सांसदों की साधिकार भूमिका स्पष्ट की जाये, जिससे वह विकास के कार्यों को क्रियान्वित करने में सफल हो सकें।